



Mr.

01 Nov 2025

06:51 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119966705

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 01/11/2025
दिन _____: शनिवार
जन्म समय _____: 06:51:00 घंटे
इष्ट _____: 00:43:54 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 06:29:52 घंटे
वेलान्तर _____: 00:16:28 घंटे
साम्पातिक काल _____: 09:12:14 घंटे
सूर्योदय _____: 06:33:26 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:35:51 घंटे
दिनमान _____: 11:02:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 14:39:34 तुला
लग्न के अंश _____: 17:37:45 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: कुम्भ - शनि
नक्षत्र-चरण _____: शतभिषा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: राहु
योग _____: ध्रुव
करण _____: गर
गण _____: राक्षस
योनि _____: अश्व
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मेष
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: सी-सीताराम
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृश्चिक

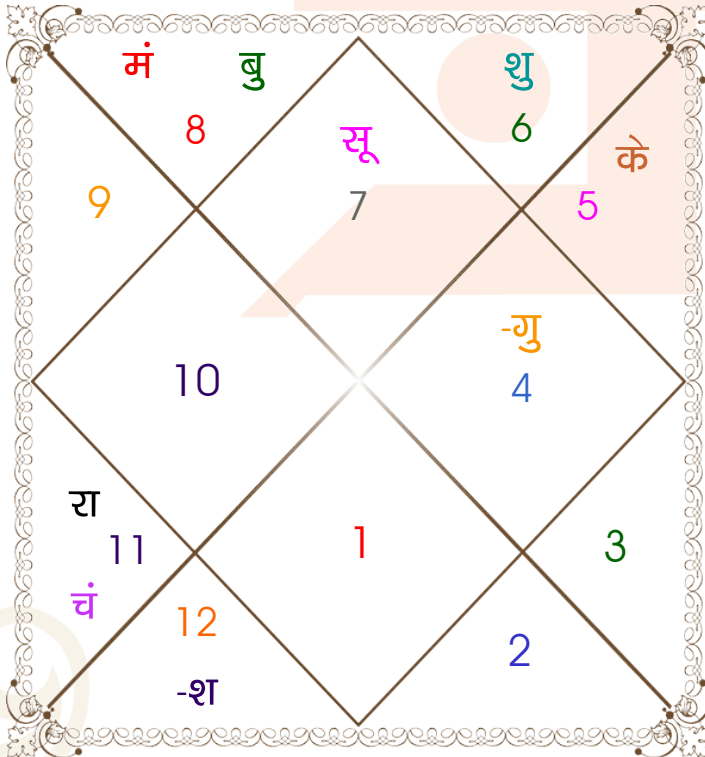
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:37:45	308:34:35	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
सूर्य			तुला	14:39:34	01:00:00	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	नीच राशि
चंद्र			कुंभ	13:25:16	13:37:35	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
मंगल			वृश्चि	03:17:26	00:42:46	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	स्वराशि
बुध			वृश्चि	08:15:06	00:52:43	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
गुरु			कर्क	00:44:52	00:02:05	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	28:24:58	01:15:00	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	नीच राशि
शनि	व		मीन	01:34:30	00:02:43	पूर्वाभाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	22:49:37	00:00:45	पूर्वाभाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु			सिंह	22:49:37	00:00:45	पूर्वाफाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:03:25	00:02:17	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:34:19	00:01:12	उत्तराभाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	07:13:31	00:00:31	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	21:22:45	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

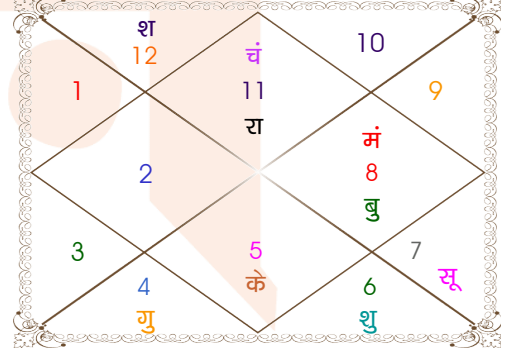
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:07

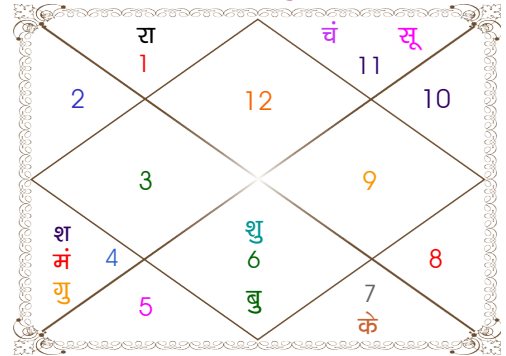
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 8 वर्ष 10 मास 17 दिन

राहु 18 वर्ष 01/11/2025 19/09/2034	गुरु 16 वर्ष 19/09/2034 19/09/2050	शनि 19 वर्ष 19/09/2050 18/09/2069	बुध 17 वर्ष 18/09/2069 19/09/2086	केतु 7 वर्ष 19/09/2086 18/09/2093
00/00/0000	गुरु 06/11/2036	शनि 21/09/2053	बुध 15/02/2072	केतु 15/02/2087
00/00/0000	शनि 20/05/2039	बुध 01/06/2056	केतु 11/02/2073	शुक्र 16/04/2088
01/11/2025	बुध 25/08/2041	केतु 10/07/2057	शुक्र 13/12/2075	सूर्य 22/08/2088
बुध 20/03/2027	केतु 01/08/2042	शुक्र 09/09/2060	सूर्य 19/10/2076	चंद्र 23/03/2089
केतु 07/04/2028	शुक्र 01/04/2045	सूर्य 22/08/2061	चंद्र 20/03/2078	मंगल 19/08/2089
शुक्र 08/04/2031	सूर्य 18/01/2046	चंद्र 23/03/2063	मंगल 17/03/2079	राहु 07/09/2090
सूर्य 01/03/2032	चंद्र 20/05/2047	मंगल 01/05/2064	राहु 04/10/2081	गुरु 13/08/2091
चंद्र 31/08/2033	मंगल 25/04/2048	राहु 08/03/2067	गुरु 10/01/2084	शनि 21/09/2092
मंगल 19/09/2034	राहु 19/09/2050	गुरु 18/09/2069	शनि 19/09/2086	बुध 18/09/2093
शुक्र 20 वर्ष 18/09/2093 19/09/2113	सूर्य 6 वर्ष 19/09/2113 20/09/2119	चंद्र 10 वर्ष 20/09/2119 19/09/2129	मंगल 7 वर्ष 19/09/2129 19/09/2136	राहु 18 वर्ष 19/09/2136 00/00/0000
शुक्र 18/01/2097	सूर्य 07/01/2114	चंद्र 20/07/2120	मंगल 16/02/2130	राहु 02/06/2139
सूर्य 18/01/2098	चंद्र 09/07/2114	मंगल 18/02/2121	राहु 06/03/2131	गुरु 26/10/2141
चंद्र 19/09/2099	मंगल 13/11/2114	राहु 20/08/2122	गुरु 10/02/2132	शनि 01/09/2144
मंगल 19/11/2100	राहु 08/10/2115	गुरु 20/12/2123	शनि 21/03/2133	बुध 02/11/2145
राहु 20/11/2103	गुरु 26/07/2116	शनि 21/07/2125	बुध 18/03/2134	00/00/0000
गुरु 21/07/2106	शनि 08/07/2117	बुध 20/12/2126	केतु 14/08/2134	00/00/0000
शनि 19/09/2109	बुध 15/05/2118	केतु 21/07/2127	शुक्र 14/10/2135	00/00/0000
बुध 20/07/2112	केतु 20/09/2118	शुक्र 21/03/2129	सूर्य 19/02/2136	00/00/0000
केतु 19/09/2113	शुक्र 20/09/2119	सूर्य 19/09/2129	चंद्र 19/09/2136	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 8 वर्ष 9 मा 20 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपत्ति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएं। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अस्तु आपको इसके विरुद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

